दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 99 ग्वालियर, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2020 पृष्ठ: 08- मूल्य 2 रुपए

हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन भेजने पर इजरायल के पीएम ने प्रधानमंत्री मोदी का किया शुक्रिया

नई दिल्ली। भारत की तरफ से कोविड-19 संक्रमितों के इलाज में कारगर एंटी मलेरिया दवाई भेजने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप,

ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो के बाद अब इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पीएम मोदी को धन्यवाद कहा है। नेतन्याहू ने अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल से ट्वीट करते हुए कहा, धन्यवाद मेरे प्रिय दोस्त भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, इजरायल को हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन भेजने के लिए। हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन के निर्यात पर रोक के बाद विभिन्न देशों की तरफ से भारत को इसके कई लिए बार अनुरोध किया गया था, जिसके बाद भारत ने इसके निर्यात के ऊपर लगी रोक को हटाने का फैसला किया। 25 मार्च को भारत ने हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन के निर्यात पर रोक लगाई थी। समाचर एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, इसके बाद 6 अप्रैल को डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (डीजीएफटी) ने हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन समेत 14 दवाईयों के निर्यात पर लगी रोक को हटाने का नोटिफिकेशन जारी किया। कोरोना संक्रमितों के इलाज में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की काफी मांग है। हालांकि, जानकारों का यह कहना है कि भारत आसानी से इस दवा की घरेलू मांगों में पूर्ति के साथ ही निर्यात करने में सक्षम है। वैसे, अभी तक बड़े स्तर पर ट्रायल में यह साबित नहीं हुआ है कि कोविड-19 संक्रमितों के इलाज में यह दवा कितना मददगार है। वहीं, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा कि कोरोना वायरस (कोविड-19) मरीजों के लिए उन्होंने मलेरिया रोधी दवा (हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन) की सिफारिश नहीं की है, जब तक कि टेस्ट के दौरान संतोषजनक नतीजे नहीं दिखते हैं। आईसीएमआर के वैज्ञानिक आर. गंगा केतकर ने कहा, यह समझने की जरूरत है कि हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा कोरोना मरीजों के लिए जरूरी नहीं है। क्या यह दवा कोविड-19 के संक्रमण को कम करेगा, परीक्षण के बाद ही इसका पता चलेगा। जिनमें कोरोना के लक्षण पाए गए हैं, उनके ऊपर इसका परीक्षण चल रहा है। जब तक हमें संतुष्ट करने लायक नतीजे नहीं मिल जाते, हम किसी को भी यह दवा लेने के लिए नहीं कहेंगे।

कोरोना संकट के बीच भी घुसपैठ की साजिश में पाकिस्तान, 230 आतंकवादी सीमा पार लॉन्च पैड पर तैयार

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से दुनिया परेशान है और खुद पाकिस्तान भी लेकिन इन हालात में भी वो जम्मू कश्मीर के रास्ते भारत में आतंकियों की घुसपैठ की साजिशें कर रहा है। भारतीय खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट है कि सीमा पर लश्कर ए तय्यबा, जैश ए मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन के 230 आतंकवादी लॉन्च पैड पर इस फिराक में बैठे हैं कि कब एलओसी और इंटरनेशनल बॉर्डर को लांघ सकें। जम्मू कश्मीर में भी कोरोना के 158 मरीज मिले हैं जिनमें 4 की मौत भी हुई है। इस समय राज्य में पुलिस और सुरक्षा बल के जवान लॉकडाउन, जांच, क्वारंटाइन, इलाज जैसे काम में प्रशासन की मदद में जुटे हैं। पाकिस्तान में भी 4414 मरीज मिले हैं और 63 की जान जा चुकी है। कुपवाड़ा में रविवार को आतंकियों से आमने-सामने की लड़ाई में पांच आतंकवादी मारे गए और उनसे हैंड-टू-हैंड संघर्ष में भारतीय सेना के स्पेशल कमांडो दस्ते के पांच जवान भी शहीद हो गए थे।

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस से एक दिन में 25 मौत, 229 नए केस आए सामने

मुंबई। महाराष्ट्र में गुरुवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के 229 नए मामले आने के साथ ही राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 1,364 हो गयी है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आज कोरोना वायरस संक्रमण से 25 लोगों की मौत हुई है, इसके साथ ही राज्य में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 97 पहुंच गयी है। मुंबई में गुरुवार को कोरोना वायरस संक्रमण से नौ और लोगों की मौत होने के साथ ही शहर में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 65 हो गई है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने बताया कि आज दिन में 79 लोगों के वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई, इसके साथ ही शहर में वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 775 हो गई है। स्थानीय निकाय ने बताया कि आज छह मरीजों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गयी है। अभी तक 65 मरीज संक्रमण मुक्त होकर घर लौट चुके हैं। बीएमसी ने शहर में 381 स्थानों को कोरोना वायरस संक्रमण से अत्यधिक प्रभावित घोषित करते हुए उन्हें सील कर दिया है।

पुणे के अधिकारियों ने बताया कि आज जिले में कोरोना वायरस संक्रमण से छह लोगों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि जिले में वायरस संक्रमण से अभी तक 24 लोगों की मौत हुई है। पुणे जिला परिषद के सीईओ आयुष प्रसाद के अनुसार, 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत सरकारी सासून अस्पताल में बुधवार देर रात हुई, वह लकवाग्रस्त थे और उन्हें मधुमेह की बीमारी थी। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिक के परिवार के चार सदस्यों में संक्रमण की पुष्टि पहले ही हो चुकी है। उन्होंने बताया कि दूसरे बुजुर्ग व्यक्ति की मौत भी इसी अस्पताल में हुई है, एक महिला की मौत निजी अस्पताल में हुई है। उन्होंने बताया कि जिले में अभी तक 210 लोगों के वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। महाराष्ट्र में पिछले एक महीने में देश में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे ज्यादा 1,297 मामले सामने आए हैं, लेकिन आंकड़ों की मानें तो इनमें से 80 प्रतिशत से ज्यादा मामले अप्रैल महीने में यानी महज आठ दिन में आए हैं। बुधवार शाम तक राज्य में 1,135 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की सूचना थी, लेकिन आज 162 नए मामले आने के साथ ही संख्या बढ़कर 1,297 हो गयी है।राज्य में 31 मार्च तक कोरोना वायरस संक्रमण के 220 मामले थे। एक से आठ अप्रैल के बीच प्रदेश में कुल 915 मामले आए हैं जो 80.61 प्रतिशत हैं। महाराष्ट्र में सबसे पहले नौ मार्च को कोरोना वायरस संक्रमण के तीन मामलों की पुष्टि हुई। 23 मार्च तक संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 100 के पार पहुंच गयी। राज्य में वायरस संक्रमण से पहली मौत 17 मार्च को हुई थी। बीएमसी के अधिकारियों ने बताया कि एशिया की सबसे बड़ी मलिन बस्ती धारावी में आज कोरोना वायरस संक्रमण से 70 वर्षीय व्यक्ति की मौत हुई है जबकि संक्रमण के तीन नए मामले आए हैं। क्षेत्र में अभी तक वायरस संक्रमण से तीन लोगों की मौत हो चुकी है और 17 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने सेवरी से कम से कम 95,000 मास्क जब्त किए हैं जिनकी कीमत 1.35 करोड़ रुपये है। पुलिस ने बताया कि इस सिलसिले में मुरुगा तैयब अटारी (36) को गिरफ्तार किया गया है।

कोरोना की चपेट में सऊदी शाही परिवार के 150 सदस्य

किंग सलमान के साथ क्राउन प्रिंस भी आइसोलेट

रियाद। कोरोना वायरस कोविड-19 गरीब-अमीर किसी को नहीं देख रहा और जो इसकी जद में आ गया उसकी जान के लिए गंभीर खतरा बन गया। ब्रिटेन के राजकुमार चार्ल्स इससे संक्रमित हो चुके हैं तो देश के प्रधानमंत्री बोरिस जानसन आईसीयू में भर्ती हैं और अब यह सऊदी अरब के शाही परिवार में पहुंच गया है और 150 सदस्यों के इससे संक्रमित होने की रिपोर्ट है। टाइम पत्रिका की रिपोर्ट के अनुसार शाह सलमान और शहजादे मोहम्मद बिन सलमान आइसोलेशन में चले गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार किंग फैसल स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के डॉक्टर शाही परिवार के इलाज में जुटे हुए हैं और कोरोना के खतरे की आशंका में अस्पताल 500 अतिरिक्त बेड भी तैयार करने में जुट गया है। अस्पताल के अनुसार पूरे देश से आने वाले वीआईपी मरीजों के लिए व्यवस्था तैयार की जा रही है। अस्पताल ने डॉक्टरों को पूरी तरह सतर्क रहने का संदेश दिया है, जिसमें कहा गया है संक्रमित यहां आएंगे। सिर्फ आपात केस को ही देखा जाएगा जो शाही परिवार से जुड़ा हुआ है। सऊदी में इस वायरस की वजह से अब तक 44 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि 3,287 कोविड-19 से संक्रमित हैं।

कोरोना से दुनिया भर में 90 हजार से ज्यादा की मौत-दुनिया भर में कोरोना वायरस महामारी से बृहस्पतिवार (9 अप्रैल) को मृतकों की संख्या बढ़कर 91,830 पहुंच गई। यह जानकारी सरकारी सूत्रों से मिले आंकड़ों को एएफपी द्वारा जोड़ने पर सामने आई है। दुनिया के 192 देशों में इस संक्रमण के 1,563,847 घोषित मामले हैं। अबतक 345,849 लोग ठीक हो चुके हैं। एएफपी द्वारा राष्ट्रीय अधिकारियों और विश्व स्वास्थ्य संगठन से इकट्ठा की गई जानकारी में शायद संक्रमणों की वास्तविक संख्या का केवल एक अंश दर्शाता है। कई देश सिर्फ गंभीर मामलों की जांच कर रहे हैं। इटली में सबसे ज्यादा मौत हुई हैं जहां 18,279 लोगों ने दम तोड़ा है, जबकि संक्रमण के 143,626 मामले हैं। स्पेन में संक्रमण के 152,446 मामले हैं जिनमें से 15,238 लोगों ने दम तोड़ दिया है। अमेरिका में संक्रमितों की तादाद सबसे ज्यादा है, जहां इस बीमारी ने 15,826 लोगों की जान ले ली। वहीं 449,555 लोग संक्रमित हैं। फ्रांस में 10,869 लोगों की मौत हुई और 112,950 लोग विषाणु का शिकार हुए हैं। इसके बाद ब्रिटेन में 7,097 लोगों ने संक्रमण से दम तोड़ा है और पुष्ट मामलों की संख्या 60,733 है। चीन से यह संक्रमण शुरू हुआ था। वहां 3,335 मौत हुई हैं और 81,865 मामले हैं। 77,370 लोग इलाज के बाद ठीक हो गए। सोमालिया ने भी ऐलान किया है कि कोरोना वायरस से एक की मौत हुई है।

पाकिस्तान ने सार्क कोविड-19 फंड से मांगे 22 करोड़ 78 लाख रुपये, पीएम मोदी ने किया था फंड बनाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल को-ऑपरेशन (सार्क) के कोविड-10 आपातकालीन फंड से 22 करोड़ 87 लाख रुपये (3 मिलियन डॉलर) मांगा है। पाकिस्तान सार्क के आठ सदस्यों में ऐसा आखिरी देश है जो इस फंड में अपना योगदान देगा। 15 मार्च को इसके सदस्य देशों के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग भारत की तरफ से शुरुआत में दिए गए 10 मिलियन डॉलर यानी करीब 76 करोड़ रुपये के बाद सार्क कोविड-19 फंड बनाया गया था। पाकिस्तान के विदेश विभाग की तरफ से बयान में कहा गया, पाकिस्तान के फैसले को सार्क सेक्रेटिएट को बताते हुए यह कहा गया है कि सार्क सेक्रेटिएट के अधीन फंड की सारी प्रक्रिया हो और इस फंड के उपयोग की औपचारिकताएं सार्क चार्टर के मुताबिक सदस्य देशों के मशविरा के जरिए किया जाना चाहिए।

यूपी में कोरोना के 41 नए मरीज मिले, 410 पहुंची प्रदेश में मरीजों की संख्या

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में बीते 24 घंटे में 41 नए मरीज पाए गए हैं। इसके साथ कुल कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 410 हो गई है। इसमें अकेले तबलीगी जमात से जुड़े लोगों की संख्या 225 है। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कोरोना के 410 प्रकरण 40 जिलों से हैं। इनमें 225 प्रकरण तबलीगी जमात से जुड़े लोगों से संबंधित हैं। तबलीगी जमात के कारण ही कोरोना प्रदेश में फैला है।

चार मौतें, 31 स्वस्थ होकर घर लौटे-कोरोना से अब तक मेरठ, बस्ती, वाराणसी और आगरा में एक-एक मरीज की मौत हो चुकी है। 31 मरीज इलाज के बाद ठीक हो चुके हैं। राज्य में आइसोलेशन बेड की संख्या बढ़कर 9,442 हो गई है। इस संख्या को और

बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि छोटे और मध्यम शहरों में निजी चिकित्सालयों को भी कोरोना के इलाजे के लिए नोटिफाई किया जा रहा है। अब तक छह निजी अस्पताल नोटिफाई किए गए हैं। पांच दिन के नोटिस पर इन अस्पतालों में भर्ती मरीजों को दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट कर कोरोना के इलाज के लिए उपलब्ध कराना होगा। प्रयोग से पहले इन अस्पतालों को पूरी तरह सैनिटाइज किया जाएगा।

12129 क्वारंटीनन बेड तैयार-राज्य में इस समय 12129 बेड क्वारांटाइन बेड हैं, जिसमें 5,734 लोग क्वारंटीन हैं। आइसोलेशन में 412 मरीज हैं। 63855 लोगों पर निगरानी रखी जा रही है। 43140 लोग 28 दिन की अवधि पूरी कर चुके हैं।

जिलों में कोरोना मरीजों की स्थिति-अब तक आगरा में 83, लखनऊ में 29, गाजियाबाद में 25, नोएडा में 63, लखीमपुरखीरी में 4, कानपुर नगर में 9, पीलीभीत में दो, वाराणसी में 9, शामली में 17, सीतापुर में दस, जौनपुर में चार, बागपत में पांच, मेरठ में 38, बरेली में छह, बुलंदशहर में 8, बस्ती में 8, हापुड़ में तीन, गाजीपुर में पांच, आजमगढ़ में चार, फिरोजाबाद में 11, हरदोई में दो, प्रतापगढ़ में छह, सहारनपुर में 20, बांदा में दो, महाराजगंज में छह, हाथरस में चार, मिर्जापुर में दो, रायबरेली में दो, औरैया में दो, कौशाम्बी में दो, बाराबंकी, बदायूं, बिजनौर, शाहजहांपुर, प्रयागराज, मुरादाबाद में एक-एक मरीज, मथुरा में दो, रामपुर पांच, मुजफ्फरनगर चार और अमरोहा में दो कोरोना रोगी पाए गए हैं।

दिल्ली में कोरोना के खिलाफ 21 हॉटस्पॉट एरिया में ऑपरेशन शील्ड, अरविंद केजरीवाल ने की लोगों से सहयोग की अपील

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए दिल्ली के 21 हॉटस्पॉट की पहचान कर उन्हें सील कर दिया गया है। अब इन इलाकों, कॉलोनी और सोसाइटी में दिल्ली सरकार ऑपरेशन चलाने जा रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज इसकी घोषणा करते हुए लोगों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि ये सख्त उपाय हैं, लेकिन अन्य लोगों को कोविड-19 से बचाने के लिए जरूरी हैं। साथ ही उन्होंने शहर में स्वास्थ्य कर्मियों से दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी।

दिल्ली में कोरोना के खिलाफ 21 हॉटस्पॉट एरिया में ऑपरेशन शील्ड, अरविंद केजरीवाल ने की लोगों से सहयोग की अपील

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए दिल्ली के 21 हॉटस्पॉट की पहचान कर उन्हें सील कर दिया गया है। अब इन इलाकों, कॉलोनी और सोसाइटी में दिल्ली सरकार ऑपरेशन चलाने जा रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज इसकी घोषणा करते हुए लोगों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि ये सख्त उपाय हैं, लेकिन अन्य लोगों को कोविड-19 से बचाने के लिए जरूरी हैं। साथ ही उन्होंने शहर में स्वास्थ्य कर्मियों से दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी। उन्होंने शहर के गौतम नगर इलाके में सफदरजंग अस्पताल की दो महिला रेजीडेंट डाक्टरों पर कथित हमले की घटना के संदर्भ में कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों से दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी और सरकार इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगी।

उद्धव ठाकरे को एमएलसी मनोनीत करेंगे राज्यपाल? संवैधानिक संकट से बचने को कैबिनेट का फैसला

मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे बिना चुनाव लड़े मुख्यमंत्री तो बन गए लेकिन वह अभी तक विधानसभा या विधान परिषद के सदस्य नहीं बन पाए हैं। कोरोना वायरस की वजह से एमएलसी चुनाव भी नहीं कराया जा सकता है। ऐसे में राज्य की कैबिनेट ने उन्हें राज्यपाल की ओर से मनोनीत किए जाने को लेकर प्रस्ताव भेजने का फैसला किया है। राज्यपाल 2 सदस्यों को मनोनीत कर सकते हैं। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नवाब मलिक ने गुरुवार को बताया, आज की कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया है कि राज्यपाल की ओर से मनोनीत किए जाने वाले 2 सदस्यों के खाली पदों में एक सीट के लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नाम की सिपारिश की जाएगी।

महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 13 सौ के पार

अब भीड़भाड़ वाले इलाकों में लॉकडाउन लागू करने की सरकार की है ये योजना

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या गुरुवार को बढ़कर 1,364 हो गई है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आज कोरोना वायरस संक्रमण से 25 लोगों की मौत हुई है, इसके साथ ही राज्य में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 97 पहुंच गयी है। एक दिन में महाराष्ट्र में 229 कोरोना के नए केस आए हैं। इसके बाद राज्य सरकार अब भीड़भाड़ वाले इलाकों में लॉकडाउन को सही तरीके से लागू करने के लिए पुलिस बल तैनात करने की योजना बना रही है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बताया कि मुंबई के घनी आबादी वाले इलाकों में लोगों को घर में रहने में मुश्किल आ रही है क्योंकि 10म10 फीट के कमरे में 15 लोग रहते हैं इसलिए हम सोशल डिस्टेंसिंग को सुनिश्चित करने के लिए उन्हें स्कूलों में जगह देने की योजना बना रहे हैं। उधर, महाराष्ट्र पुलिस ने बताया कि एक कोविड-19 पॉजिटिव महिला, जिसकी मौत हो गई थी उनके संपर्क में आए 4 करीबी लोगों को पुलिस ने टोकवाडे में रोक दिया। डॉक्टरों ने उन्हें टेस्ट करने की सलाह दी थी लेकिन वे मुंबई से भागने की कोशिश कर रहे थे। चारों को हिरासत में लेकर मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है। **मुंबई में कोरोना संक्रमण से गुरुवार को 9 लोगों की मौत**-मुंबई में गुरुवार को कोरोना वायरस

संक्रमण से नौ और लोगों की मौत होने के साथ ही शहर में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 65 हो गई है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने बताया कि आज दिन में 79 लोगों के वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई, इसके साथ ही शहर में वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 775 हो गई है। स्थानीय निकाय ने बताया कि आज छह मरीजों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गयी है। अभी तक 65 मरीज संक्रमण मुक्त होकर घर लौट चुके हैं। बीएमसी ने शहर में 381 स्थानों को कोरोना वायरस संक्रमण से अत्यधिक प्रभावित घोषित करते हुए उन्हें सील कर दिया है।पुणे के अधिकारियों ने बताया कि आज जिले में कोरोना वायरस संक्रमण से छह लोगों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि जिले में वायरस संक्रमण से अभी तक 24 लोगों की मौत हुई है। पुणे जिला परिषद के सीईओ आयुष प्रसाद के अनुसार, 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत सरकारी सासून अस्पताल में बुधवार देर रात हुई, वह लकवाग्रस्त थे और उन्हें मधुमेह की बीमारी थी। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिक के परिवार के चार सदस्यों में संक्रमण की पुष्टि पहले ही हो चुकी है। उन्होंने बताया कि दूसरे बुजुर्ग व्यक्ति की मौत भी इसी अस्पताल में हुई है, एक महिला की मौत निजी अस्पताल में हुई है। उन्होंने बताया कि जिले में अभी तक 210 लोगों के वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। महाराष्ट्र में पिछले एक महीने में देश में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे ज्यादा 1,297 मामले सामने आए हैं, लेकिन आंकड़ों की मानें तो इनमें से 80 प्रतिशत से ज्यादा मामले अप्रैल महीने में यानी महज आठ दिन में आए हैं। बुधवार शाम तक राज्य में 1,135 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की सूचना थी, लेकिन आज 162 नए मामले आने के साथ ही संख्या बढ़कर 1,297 हो गयी है।

संपादकीय

जमाखोरी के खिलाफ

पंजीकृत लोगों को जरूरत भर का राशन न मिल पाने की शिकायतें आम हैं। ऐसे में गृह मंत्रालय को एक बार फिर सख्त निर्देश जारी करना पड़ा है कि कालाबाजारी और जमाखोरी पर रोक लगनी चाहिए। इसके लिए अधिकारियों को राज्य सरकारों से तालमेल कर-के जमाखोरों और कालाबजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आदेश दिया गया है। देखना है, इसका कितना असर पड़ता है। बंदी के इस आलम में जब तमाम कारोबारी गतिविधियां रुकी हुई हैं, लोग घरों में बंद हैं, तब सब तक जरूरी खाद्य सामग्री पहुंचाना सरकारों के सामने बड़ी चुनौती है। हालांकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली और मुहल्लों में राशन की दुकानें खोलने का आदेश है। आनलाइन बिक्री को भी छूट दी गई है। सरकारें कह चुकी हैं कि कोई भी दुकानदार वास्तविक कीमत से अधिक नहीं वसूलेगा, पर हकीकत यही है कि फल, सब्जियां, कई जरूरी खाद्य सामग्री मनमानी कीमतों पर बेची जा रही हैं। ऐसी शिकायतें मिलने पर प्रशासन कार्रवाई भी कर रहा है। कई दुकानदारों को दंडित किया गया है। फिर भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली वाली राशन की दुकानों पर दिन भर लोगों की कतारें लगी रहती हैं। पंजीकृत लोगों को जरूरत भर का राशन न मिल पाने की शिकायतें आम हैं। ऐसे में गृह मंत्रालय को एक बार फिर सख्त निर्देश जारी करना पड़ा है कि कालाबाजारी और जमाखोरी पर रोक लगनी चाहिए। इसके लिए अधिकारियों को राज्य सरकारों से तालमेल करके जमाखोरों और कालाबजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आदेश दिया गया है। देखना है, इसका कितना असर पड़ता है। यह नया अनुभव नहीं है, जब कोई महामारी फैलती है, अकाल पड़ता, खेती पर मौसम का बुरा असर दिखता या विदेशों से किसी खाद्य सामग्री की आवक रुक जाती है, तो जमाखोर सक्रिय हो जाते हैं। वे खाद्य सामग्री को गोदामों में रोक कर रख लेते हैं। इस तरह बाजार में उनकी कीमतें मनमाने ढंग से बढ़ने लगती हैं। खाद्य तेल, प्याज-टमाटर और दालों के मामले में जमाखोरों के ऐसे खेल अनेक मौकों पर देखे जा चुके हैं। हालांकि इस वक्त पूर्णबंदी होने की वजह से माल ढुलाई पर भी बुरा असर पड़ा है, जिसके चलते वस्तुएं एक से दूसरी जगहों तक सहजता से नहीं पहुंच पा रही हैं। नहीं तो फल-सब्जी जैसी वस्तुओं की उपलब्धता में कोई कमी नहीं आई है। स्थिति यह है कि बहुत सारे किसानों को सब्जियां फेंकनी पड़ रही हैं। जाहिर है, उनकी कीमतें सामान्य दिनों से कम होनी चाहिए। पर बहुत सारी दुकानों पर इनकी कीमतें बढ़ी हुई ही मिल रही हैं। फैक्ट्री से बन कर आए आटा, चावल, दाल, डिब्बाबंद खाद्य सामग्री की कीमतें भी सामान्य दिनों से अधिक देखी जा रही हैं। जाहिर है, इसमें कालाबाजारी और जमाखोरी हो रही है। यह संकट का समय है और इस समय लोगों को जरूरी खाद्य सामग्री नहीं मिल पाएगी, तो मुश्किलें बढ़ेंगी ही। इसलिए जमाखोरी और कालाबजारी जैसी मुनाफेखोरी की प्रवृत्ति पर रोक लगाने का गृह मंत्रालय का फैसला उचित है। हालांकि किसानों और कारखानों से बाजार तक वस्तुओं की पहुंच सुगम बनाने की जरूरत से भी इनकार नहीं किया जा सकता। कई राज्यों की सीमाएं बंद होने की वजह से वहां से आने वाली वस्तुओं की पहुंच बाधित हुई है। माल ढुलाई की रफ्तार पहले जैसी नहीं रह गई है, जबकि वस्तुओं की मांग में कमी नहीं आई है।

खाद्य सुरक्षा का चक्र

वीरेंद्र कुमार पैन्यूली

> यह भी निर्विवाद है कि आपदाएं कोई भी हों, उनसे अशक्त, कुपोषित लोग जल्दी और ज्यादा प्रभावित होते हैं। इसलिए कोरोना जैसी दुर्भाग्यपूर्ण आकस्मिक आपदाओं की तैयारियों के क्रम में कुपोषण और भुखमरी से लड़ाई निरंतर सामान्य स्थितियों में भी जारी रहनी चाहिए। यह विश्व खाद्य संगठन की प्राथमिकता में भी है। विश्व खाद्य सम्मेलन-1995 में संकल्प लिया गया था कि 2015 तक विश्व के आधे भूखों को भूख की मार से मुक्ति दिला दी जाएगी। इसके बाद 2000 में भी सारे देशों के बीच सहमति बनी थी कि दुनिया में हर किसी को पर्याप्त भोजन और पोषण उपलब्ध होगा। इससे गरीब भी अभावों के दंश से मुक्त होकर उच्च गुणवत्ता वाला जीवन जी सकेंगे।

इसी दिशा में सहस्राब्दि विकास लक्ष्य और संशोधित टिकाऊ विकास लक्ष्य में भी 2030 तक शून्य भुखमरी, खाद्य सुरक्षा तथा पोषण के लक्ष्यों तक पहुंच की बात की गई। हालांकि हकीकत यह है कि आज भी वैश्विक स्तर पर पर्याप्त खाद्य सामग्री उपलब्ध होने के बावजूद करीब 8210 लाख लोग हर रात भूखे सोने को मजबूर होते हैं। ऐसी स्थितियां गरीब देशों में ही नहीं, अमेरिका जैसे अमीर देशों में भी हैं। आज ऐसे अरबों लोग विश्व में हैं, जिनकी दैनिक आय सौ रुपए से भी कम है। भारत में ही करीब पैंतीस से चालीस करोड़ लोगों को खाना जुटाने का संकट रहता है। खाद्य सुरक्षा पर सक्रिय रही पिछली यूपीए सरकार का तब अनुमान था कि देश में खाद्य असुरक्षा के संकट में फंसे लोगों की संख्या सत्तर करोड़ से ज्यादा है।

गरीबी के साथ ही खाद्य असुरक्षा और कुपोषण के संकट में पड़े लोगों की संख्या प्राकृतिक या मानवजनित आपदाओं के साथ वृहद स्तर पर आर्थिक मंदी आने के साथ और बढ़ जाती है। 2009 की आर्थिक मंदी में ही वैश्विक स्तर पर लगभग दस करोड़ नए लोग भूखों की तादाद में जुड़े थे। आपदाओं में स्वास्थ्य आपदाएं गरीबों और कुपोषितों के लिए काफी मारक होती हैं। ये स्थानीय महामारी या वैश्विक महामारी जनित होती हैं। यों तो हर प्रकार की आपदा में कुपोषित लोगों की सदा संक्रमण की चपेट में आने की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, पर अन्य प्रकार की आपदाओं से भी ज्यादा महामारी जनित आपदाओं में यह सतर्कता आवश्यक हो जाती है कि कुपोषण या भुखमरी की पुरानी समस्याओं के साथ-साथ कुपोषण और भुखमरी के नए मामले न बढ़ जाएं। आशंका इसलिए भी रहती है कि आपदाओं के दौरान काम न कर सकने या काम न मिल सकने के कारण पारिवारिक और व्यक्तिगत गरीबी में भी वृद्धि हो जाती है। इसी परिप्रेक्ष्य में कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी पर भी विचार करना सामयिक होगा।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि संयुक्त राष्ट्र के पचहत्तर साल के इतिहास में पहले ऐसा कोई वैश्विक स्वास्थ्य संकट नहीं आया, जिसने इस स्तर तक मानव जीवन की मुश्किलें और वैश्विक आर्थिकी को चोट पहुंचाया हो। उन्होंने कहा कि हमें उन लोगों पर ध्यान केंद्रित करना

है, जो खासकर बहुत कम मजदूरी पाते और अनौपचारिक आर्थिकी के क्षेत्र में काम करते हैं।

चूंकि इस विषाणु को हराने, सीमित करने या तीसरे चरण तक पहुंचने से रोकने के लिए प्रभावित शृंखला को तोड़ना, सामाजिक दूरी बनाए रखना या स्वयं को घरों में कैद कर देना एक प्रभावी उपाय के तौर पर अपनाया जा रहा है, इसलिए भी खासकर अनौपचारिक व्यवसायों में काम करने वालों और दिहाड़ी मजदूरों की व्यक्तिगत तथा पारिवारिक आय पर भारी असर पड़ा है। लगभग पूरे विश्व में बंदी के कारण भुखमरी और गरीबी में जीने वालों की संख्या में बढ़ोतरी की आशंका बढ़ गई है। दुनिया भर में करीब ढाई करोड़ नौकरियां कोरोना से खत्म हो गई हैं। यह संख्या अभी और बढ़ सकती है। भारत में ही करीब पचास प्रतिशत कंपनियां महामारी जनित वातावरण से प्रभावित हुई हैं।

करोड़ों लोगों की नौकरियां प्रभावित हुई हैं। करीब अस्सी प्रतिशत कंपनियों में नगदी प्रवाह में कमी आई है। इससे औपचारिक क्षेत्र में भी काम करने वालों के पास पैसे की कमी हो गई है। संयुक्त राष्ट्र की एक संस्था के अनुसार साल के अंत तक करीब करीब 3.4 खरब डॉलर की श्रमिक आय खत्म हो सकती है। और ज्यादा लोग न बेकार हो जाएं, इसलिए धनी देश भी अपने-अपने यहां की कंपनियों से अनुरोध कर रहे हैं कि वे अपने कामगारों को नौकरियों से न निकालें। वे उनके करों, कर्जों आदि में रियायत देने के साथ-साथ उनसे यह भी कह रही हैं कि उनके कामगारों को दिए जाने वाले वेतन का एक बड़ा हिस्सा सरकार देने को तैयार है।

समाचारों के अनुसार स्वीडन ने 90, डेनमार्क ने 75, इग्लैंड ने 89 प्रतिशत तक वेतन भार वहन करने की कंपनियों से पेशकश की है। भारत सरकार ने भी कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे अपने कर्मचारियों को न हटाएं और न उनका वेतन काटें। विभिन्न राज्य लाखों दिहाड़ी श्रमिकों को सस्ता राशन देने और सीधे खाते में पैसा पहुंचाने की घोषणा कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य के पंजीकृत पंद्रह लाख दिहाड़ी मजदूरों और बीस लाख सैंतीस हजार निर्माण श्रमिकों को उनकी दैनिक जरूरतों के लिए एक हजार रुपए प्रति माह देंगे। राज्यों द्वारा घोषित ऐसी सहायताओं से श्रमिकों का गुजारा नहीं होता है। इसलिए लोग अपने मूल निवास स्थानों को लौटने को बेचैन रहते हैं, भगदड़ भी मचाते हैं। इनसे गांव तक संक्रमण पहुंचने का खतरा हो सकता है। जैसा इस समय हो रहा है, जब दुकानों, परिवहन आदि के बंद होने का सचजगह-जगह दिखने लगता है, तो सबसे बड़ी चिंता पारिवारिक स्तर पर यह हो जाती है कि घर में खाने-पीने का इतना सामान रख लिया जाए कि अगर बाजार बंद मिले या दुकानों में सामान न मिले तो भी घर में खाने के लिए कुछ तो हो। ऐसी हालत कितनी लंबी चलेगी, इस पर भी संशय रहता है। ऐसे में कुछ संपन्न लोग हड़बड़ी में खरीदारी करने की होड़ में लग जाते हैं, तो पहले से ही हाशिए पर पड़े समूह रोजगार न होने या छिनने के कारण आवश्यक भोजन भी जुटाने में असमर्थ होने लगते हैं। सामान की किल्लत के डर से जब भीड़ उमड़ती है, तो सोशल डिस्टेंसिंग की सलाह भी अनसुनी कर दी जाती है। भीड़भाड़ से खुद को संक्रमित होने से बचाने के लिए जब कुछ दुकानदार खुद ही दुकान बंद करने लगते हैं, तब सामान नहीं मिलेगा, दुकानें बंद हो जाएंगी जैसी अफवाहों को और हवा मिलने लगती है। अब तो देश में पूर्णबंदी है। कई बार सीमाएं भी परिवहन के लिए सील कर दी जाती हैं। परिवहन और मानव संसाधन की कमी के चलते आपूर्ति शृंखला प्रभावित होती है। ऐसे में दिक्कतें आने लगती हैं। ऐसे समय कई दुकानदार नकली और मिलावटी सामान बेचने से भी बाज नहीं आते हैं। यह दूसरी बीमारियों की संभावनाएं बढ़ा देता है।

खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में आपूर्ति का मतलब भरासेमंद, अबाध आपूर्ति होता है। बनी हुई आपूर्ति के बावजूद खाद्यान्न तक पहुंच की व्यवस्था करना भी अपरिहार्य होता है। पहुंच का संदर्भ आर्थिक और सामाजिक भी होता है। अन्यथा खाद्यान्न उत्पादन ग्रामीण क्षेत्रों में होने पर भी गांवों में खाद्य असुरक्षा और कुपोषण की समस्या क्यों होती या परिवारों में महिलाओं द्वारा भोजन बनाने पर भी खाद्य असुरक्षा और कुपोषण की समस्या उनके साथ अपेक्षाकृत ज्यादा क्यों बनी रहती। वैसे भी हर आपदा प्रबंधन की रणनीति में चेतावनी के साथ आपदा झेलने के लिए की गई तैयारियों का भी महत्त्व होता है। यह भी निर्विवाद है कि आपदाएं कोई भी हों, अशक्त, कुपोषित लोग जल्दी और ज्यादा प्रभावित होते हैं। इसलिए कोरोना जैसी दुर्भाग्यपूर्ण आकस्मिक आपदाओं की तैयारियों के क्रम में कुपोषण और भुखमरी से लड़ाई निरंतर सामान्य स्थितियों में भी जारी रहनी चाहिए। यह विश्व खाद्य संगठन की प्राथमिकता में भी है।

आपदा

सनत जैन

यह उस समय की बात है, जब देश में आर्थिक आधार पर कोई बहुत ज्यादा सोच नहीं थी। 2004 के बाद से जिस तरह के सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन देश में हुए हैं। उसके बाद भारत के नागरिक सरकार के ऊपर हर मामले में आश्रित हुए हैं। ऐसे समय में सरकार को यदि वास्तविक जानकारी नहीं मिलेगी। मीडिया और न्यायपालिका सरकार के साथ कदमताल करेंगे। ऐसी स्थिति में जनता को उन पर भरोसा होगा? चारों स्तंभ में से कौन सा स्तंभ होगा, जो संकट के समय जनता को भरोसा दिला पाएगा।

अभी तक विधायिका और कार्यपालिका के निर्णय से यदि कोई व्यक्ति, समुदाय असहमत होता था। तो वह न्यायपालिका में जाकर न्याय प्राप्त करता था। आम आदमी को यह विश्वास था, न्यायपालिका उसकी बात सुनेगी। संविधान के अनुरूप उसके साथ न्याय करेंगी। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका एक तरह से सरकार के सहयोगी के रूप में काम कर रही है। जिसके कारण जनता का भरोसा न्यायपालिका पर बहुत कम हो गया है। हाल ही में देश में बड़ी बड़ी घटनाएं हुई। लोग हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट गए। उन्हें न्याय पाने में इतना समय लगा कि उस न्याय का कोई मतलब ही नहीं रह गया। न्यायपालिका ने कई महत्वपूर्ण मामलों की याचिकायें ही सुनने से ही मना कर दिया। अब तो यह भी होने लगा है, कि न्यायपालिका याचिकाओं को खारिज करने के साथ उस पर जुमार्ना भी लगा देती हैं। सुप्रीम कोर्ट में पिछले 6 माह में कई ऐसे मामले लंबित हैं। जिन की त्वरित सुनवाई होनी थी। जो आज तक नहीं हुई। हाईकोर्ट में जो याचिकाएं लगी थी। वह भी सुप्रीम कोर्ट ने अपने पास बुला ली, और

अँगूठी

रात के ग्यारह बज रहे थे।गगन को पता ही नहीं चला कि तब इतना समय हो गया।फाइलों से जब उसने अपना सिर ऊपर उठाया तो सामने की दीवार पर टँगी घड़ी की सुई टिक-टिक की आबाज करती तेज रफ्तार से घूम रही थी।कुछ देर वह उसे एकटक ऐसे ही देखता रहा।उसे लगा कि जीवन भी इसी घड़ी की तरह तेज रफ्तार से भाग रहा है।असने जो लंच ऑर्डर किया था वह भी टेबिल पर ऐसा ही रखा था।उसे खाने की फुरसत ही नहीं मिली।या उसे खाने की सुध ही नहीं रही।यह तो उसके रोज का सिलसिला था।कभी नाश्ता लंच के टाइम,लंच डिनर के टाइम और डिनर? कौन कहने बाला था?घड़ी को देखते-देखते उसे लगा जैसे सुई की तेज रफ्तार मानो थम सी गई है उसके जीवन की तरह।गगन मूविंग चेयर पर पीछे की ओर टिक गया,और उसने अपनी आँखें मूँद लीं। सुबह के पाँच बजे ही गगन नहा-धोकर तैयार हो गया।आज सूटिंग से पहले सभी कलाकारों एवं कर्मचारियों के साथ मीटिंग थीं।सारी व्यवस्थाएँ देखनी थीं। स्क्रिप्ट फाइनल करनी थी।संवाद और कहानी पर चर्चा होनी थी।सभी को आज आठ बजे का समय दे दिया था।वह खाने की टेबिल पर बैठ गया।किचिन से अदरक कूटने की मधुर ध्वनि उसके कानों पर कत्थक के नृत्य पर पड़ने बाली मधुर थाप की तरह पड़ रही थी।लायची की खुशबू उसे उतावला कर रही थी।उससे रहा नहीं गया, अरे !भई,अमिता कितनी देर है? उसने किचिन की ओर देख कर कहा। अजी अभी आई,,,,,ये लो कहते हुए अमिता ने नाश्ते की ट्रे टेबिल पर रख दी। बड़े उतावले हो जाते हो जी कहते हुए अमिता ने अपनी बड़ी-बड़ीआँखों से गगन की ओर देखा फिर शरमा कर आँखें नीचे झुका लीं।गगन मुस्करा दिया। आज

बहुत काम है गगन नाश्ता करते हुए बोला। वह तो रोज ही रहता है,ठीक से नाश्ता कर लो। कहती हुई अमिता इस तरह से उठी कि उसकी लम्बी चोटी लहरा कर गगन के कंधों पर आ पड़ी। नाश्ता कर लेने के बाद गगन गाड़ी की चाबी ढूँढ़ने लगा। अमिता मेरी घड़ी कहाँ है? ढूँढ़ दो प्लीज।अरे ! मोबाइल कहाँ रखा है देखो जरा। अभी देखती हूँ गगन,जरा ठहरो मैं लंच पैक कर दूँ। अमिता ने किचिन से आबाज दी।थोड़ी देर बाद अमिता लंच का बॉक्स लेकर आई। देखो पॉकेट में पर्स चेक करो है कि नहीं,रूमाल देखो बदल लिया कि नहीं।मैं घड़ी ढूँढ़ कर लाती हूँ। कहती हुई अमिता इठलाकर अन्दर चली गई। तुम भी न गगन,,,,,,ऐसा कैसे कर सकते हो? एक छोटी सी चीज सम्हाल कर नहीं रख सकते।कैसे इतनी बड़ी फिल्म मेकिंग टीम को सम्हालते हो।मैं जानती हूँ तुम सिर्फ अपने लिये लापरबाह हो,,,,! अरे !,,क्या हुआ अमिता? गगन बीच में ही बोल पड़ा। एक घड़ी क्या इधर -उधर हो गई तुम तो मुझे डाँट ही जा रही हो,,बच्चों की तरह। चुटकी लेते हुये गगन ने कहा। हाँ तुम काम ही बच्चों बाले करते हो।तुम बच्चा ही हो मुस्करा कर अमिता ने कहा। ये लो अपनी घड़ी।मैं घड़ी के बारे में नहीं कह रही हूँ।तुमने एक चीज को और सम्हाल कर नहीं रखा। क्या? गगन ने जिज्ञासा प्रकट की। अमिता ने सलज्ज आँखों से देखते हुए अँगूठी गगन की ओर बढ़ा दी। तुम्हें याद है गगन ये हमारे प्यार की निशानी।इंगेजमेंट के दिन तुमने कहा था-मैं इसे हमेशा जान से भी ज्यादा सम्हाल कर रखूँगा। ओह ! सॉरी गगन ने एक अपराधी की भांति अफसोस प्रकट किया। सॉरी,वैरी सॉरी,माई डियर अमिता ।अब मैं ध्यान रखूँगा।नहाने में बाथरूम में छूट गई। सॉरी मत बोलिये प्लीज कहकर अमिता गगन के सीने से लिपट गई। पापा बड़े भुलक्कड़ हैं,ये दबाईओं का पैकेट ही भूले जा रहे हैं। ईशा की आबाज सुनकर दोनों अलग होकर एक दूसरे को देख कर मुस्करा दिये। अपना बैग कंधों पर लटका कर गगन बोला था, अच्छा तो मैं चलता हूँ। हाँ अपना लंच टाइम से ले लेना और डिनर पर टाइम से आ जाना।ये अमिता ने यूँ ही कह दिया था अपनी तसल्ली के लिये क्योंकि वह जानती थी सूटिंग रात-रात भर देर तक चलती रहती है।उसने फिर कहा, मैं दोपहर में फोन करूँगी,फिर पूछूँगी कि लंच किया कि नहीं। अमिता हिदायत देते हुये कह रही थी।मानो किसी छोटे बच्चे को समझा रही हो। और पापा दवाईयाँ टाइम से ले लेना ईशा पापा से लिपट कर बोली। मेरी प्यारी गुड़िया कह कर गगन ने उसे गोद में उठा लिया। न जाने कब तक गगन ऐसे ही मूविंग चेयर पर अधलेटा विचार तंद्रा में खोया रहता यदि वॉचमैन उसे हिला कर न कहता, साहब !रात के बारह बज गये हैं पूरा स्टाफ और सूटिंग यूनिट कब की जा चुकी है।आप भी घर जाइये। गगन की विचार तंद्रा भंग हुई।उसने अपने हाथ की ओर देखा उसकी तर्जनी उँगली पर अँगूठी आज भी वैसी ही थी।मानो उसकी ओर देख कर कह रही थी, गगन तुम्हें मेरी बातें याद हैं न,,,,,लंच किया,,,,डिनर और दबाइयाँ टाइम से ले रहे हो न। गगन की आँखों से दो अश्रु बिन्दु उसी अँगूठा पर गिर पड़े।मानो कह रहे हों, आई एम सॉरी अमिता, वैरी सॉरी।

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव कोमल
व्याख्याता -हिन्दी
अशोक उ0मा0विद्यालय,
लहार,जिला-भिण्ड (म0प्र0
मो.-9993282741

ज्ञान गंगा

निराशा से होती है हार

निराशा प्रेम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अदृश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्त्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमशः अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठत करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है। इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जबाव दे जाती है, तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है। निराश व्यक्ति जीत की संभावना नकारने के कारण जीती बाजी हारते हैं। निराशा न किसी गिरे को ऊंचा उठने देती है और न प्रगति की किसी योजना को प्रियान्वित होने देती है। अस्तु, निराशा को छोटी बात न मानकर उसके निराकरण का हर क्षेत्र में प्रयत्न होता रहे। जहां भी निराशा का माहौल हो, उसके निराकरण का हर संभव उपाय करना चाहिए। इसका उपचार यही है कि प्रतिरोध में समर्थ चिंतन और पुरुषार्थ के लिए जन-जन की विचारशक्ति को उत्तेजित किया जाए। उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान देने और उन्हें समर्थ बनाने के लिए जिस मनोवृत्ति को उत्साहपूर्ण प्रश्रय मिलना चाहिए, उसके लिए आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार की जाए।

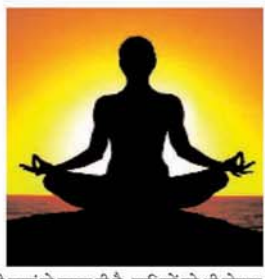

बैचेनी, अवकाश, खालीपनसमय है कितना कीमती आज

क्या कोई समझ भी सकता है
बैचेनी, खालीपन, अवकाश से
रोज ये अब अपने-आप से जुझता है
हां सच कहता हूं में ये बात है पक्की
चुटकीभर खुशियों से ही जी उठता हूं
समय का पड़ाव ही कुछ ऐसा है
लगती है जिंदगी अब सबको बोझिल
बस कुछ और नहीं चाहते हैं
सुखी रहें जीवन बस यही अभिलाषा है
सांस बाकी है चुनिंदा अब बहुतों में
न कोई आशा अब न कोई निराशा है
बीत गया जो पल वो कहां आता है
अब तो उस पड़ाव पर है जहां
दिल बार बार बस भर आता है
फिर भी आज ये ठानो समय को
समझो और समय के साथ चलो
अब समय आया है घर पर तुम्हें बिताना है
अवकाश मिला है कुछ दिनों का
कुछ खालीपन बैचेनी,है जरूर,पर
खुद भी जागरूक रहना है सभी को बताना है
कट जाएगा ये भी अवकाश वाला समय
बस साथ सबको देना है हर पल
घर पर रखो तुम और बाहर नहीं निकलना है
समय की मांग है अब अपनी संस्कृति अपना लो
हाथ नहीं मिलाओ तुम नमस्ते से संस्कार दिखाओ
खालीपन, अवकाश, बैचेनी को संग परिवार के दूर भगाओ

मौलिक
निक्की शर्मा रश्मि
मुम्बई

त्याग और बलिदान का दिन पुण्य शुक्रवार

फादर आनंद मुंदूगल

> ईसाई धर्म का सबसे महत्वपूर्ण दिन है गुड फ्रायडे इसका अर्थ है पुण्य शुक्रवार। इस दिन को मनाने के लिए ईसाई धर्मावलंबियों द्वारा 40 दिन के उपवास एवं क्रार्थना के साथ तैयारी की जाती है। 40 दिन का उपवास ही बहुत महत्वपूर्ण है। परम्परा के अनुसार प्रभु येसु ने अपने सार्वजनिक कार्य को प्रारंभ करने से पहले 40 दिन एवं रात उपवास एवं प्रार्थना में बिताए थे।

ईसाई समाज पुण्य शुक्रवार के पहले 40 दिन उपवास एवं प्रार्थना करते है। उपवास, दान-धर्म एवं गंभीर प्रार्थना ही पश्चाताप की स्वीकृति का संकेत है। इस 40 दिन की तैयारी हर एक ईसाई को यह याद दिलाता है कि जो आज की चमक-धमक दिख रही है वो सब कठिनाई के समय में हमें छोडकर चली जाएगी। अन्याय का शिकार बनकर येसु ने अपना क्रूस कलवारी तक ढो लिया था। हर एक व्यक्ति को अपना क्रूस ढोना पड़ता है। दैनिक जीवन में या है यह क्रूस, हमारे परिवार की समस्याएं, काम में असंतोष, मानसिक तनाव, असहयोगी पड़ोसी हमारे सामने क्रूस का रूप लेकर आता है। हर एक ईसाई जब क्रूस की ओर देखता है तो उसे यह प्रेरणा देता है कि प्रभु येसु के समान वे भी एक ना एक दिन सफल होंगे। प्रभु येसु का मूल मंत्र प्रेम था जहां प्रेम है वहां न्याय है, शांति है इसलिए उन्होंने समाज के अन्याय के खिलाफ प्रेम के उस अस्त्र का ऐसे उपयोग किया कि एक नए समाज का निर्माण हो, लेकिन इसके लिए उन्हें अपनी जान गवानी पड़ी। प्रभु येसु का कहना था कि "जब तक दाना मिट्टी में गिर कर मन ना जाए, तब तक नए अंग का जन्म नहीं होता है। यदि हम समाज में सुधार लाना चाहते है तो हमें प्रभु येसु खीस्त समाज सुधारक का उदाहरण है। पुण्य शुक्रवार हमें ऐसे समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करता है जहां अन्याय और अशांति है शायद हम हमारे हर तरफ के भेदभावों को भूलाकर एक ऐसे समाज का निर्माण करना होगा जिसका आधार प्रेम हो। ईसाई समाज प्रभु येसु के दुखभोग एवं मृत्यु का स्मरण करने के लिए विभिन्न गिरजाघरों में एकत्रित होते हैं। प्रभु येसु खीस्त का दुखभोग एवं मृत्यु का स्मरण करने के साथ-साथ प्रभु येसु खीस्त ने अपने प्राण देकर जो नई उमीद की राह बताई है उस मार्ग पर चलने का संकल्प खुद ही करते है। प्रभु येसु ने हमें यह सिद्ध कर दिया है कि जीवन बचाने का अर्थ है कि उसे दूसरों की सेवा में अर्पित कर देना है। जब हम अपना जीवन दूसरों के हित के लिए व्यतीत करते है तब हमें वास्तव में अव्यक्त खुशी महसुस होती है। क्रूस पर आकाश और पृथ्वी के बीच प्रभु ने कहा "सब कुछ पूरा हो चुका है यह कहकर उन्होंने सर झुकाकर अपने प्राण त्याग दिऐ यह अंतिम शब्द हमारे विचारों की शुरूआत होने चाहिए। प्रभु को दोषी ठहराया जाना और क्रूस पर मृत्यु सहन करना, उनके जीवन के समर्पण की निशानी थी। उन्होंने स्वयं अपने आप को मानव जाति की रक्षा के लिए अर्पित किया। ईश्वर चाहता था कि येसु लोगों को पिता का प्यार एवं दया को प्रकट करे। ईश्वर चाहता था कि येसु लोगों को सिखाये कि ईश्वर पिता है, और हम सब विभिन्न भाषा बोलने वाले, विभिन्न जाति को मानने वाले, विभिन्न देशों में रहने वाले, विभिन्न विचारधाराओं को मानने वाले हैं, फिर भी हम सब एक ही ईश्वर की संतान है। इसलिए हमें भाई-बहनों के जैसे एक-दूसरे की रक्षा करते हुए प्रेम और सहन के मार्ग पर चलना है।

शायद ही इतिहास में ऐसी घटना हो जो न्याय और गरीबों के उद्धार के लिए अपने आप को बली चढ़ाए वो भी क्रूस पर। ईसाई समाज आज गुड फ्रायडे मनाते है, जिसका अर्थ है पुण्य शुक्रवार। क्योंकि प्रभु येसु ने अपने मरण द्वारा उस शुक्रवार को हमेशा-हमेशा के लिए एक यादगार बनाया और जिसे थके मदि लोगों के लिए एक नया मार्ग दिखाया। प्रभु येसु खीस्त के दुखभोग एवं मरण हमें यह संकेत देता है कि ईसान को इंसानियत के लिए काम करना है जो अपने आप को इंसानियत की रक्षा के लिए अर्पित करेगा ईश्वर उसका उद्धार करेगा। इस दुनिया का जीवन क्षण भंगुर है, लेकिन ईश्वरमय जीवन हमेशा-हमेशा के लिए है।

लोक डाउन का हो रहा है उल्लंघन

व्यापारी खेल रहे पुलिस के साथ आंख मिचोली जैसा खेल

जगह-जगह बिक रही अवैध शराब वही सब्जी मंडी में लग रही भीड़

मोहन मांझी रिपोर्टर

गोहद- विश्व में जहां कोरोना जैसी महामारी का संकट बढ़ रहा है पूरे देश में लोक डाउन जैसी परिस्थिति चल रही है जिसमें 21 दिन का लोक डाउन किया गया है। लोक डाउन के बाद भी कोरोना संक्रमित मरीजो की सख्या तेजी से बढ़ रही है। उसके बावजूद भी व्यापारी बंधु शासन के नियमों को ठेंगा दिखा रहे हैं जहां व्यापारियों ने शासन के साथ चर्चा करते हुए सब्जी मंडी रात 12 बजे से 4 बजे तक खोलने का आश्वासन दिया था लेकिन सब्जी व्यापारी रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक मंडी खोल रहे हैं जिसमें गोहद के अलावा अंबाह, पोरसा, लहार, ग्वालियर, शिवपुरी, स्योंडा तक के लोग यहां सब्जी खरीदने आ रहे हैं जिससे सब्जी मंडी में सैकड़ों लोगों का जमावड़ा लग जाता है। बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात सब्ज़ी मण्डी में सब्जी क्रेताओं का जमावड़ा लगा जिसकी सूचना प्रशासन को लगी प्रशासन मय फोर्स के साथ सब्ज़ी मंडी पहुचा व भीड़ को हटाया एसडीएम के अनुसार जिन सब्ज़ी विक्रेताओं ने भीड़ इकट्ठी की उन सब पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है जिसमे धर्मेंद्र खटीक पुत्र नरेश खटीक वार्ड नं 1, लाखन पुत्र नरेश खटीक वार्ड नं 1, गोपाल कुशवाह निवासी बरथरा, रामबिहारी माहौर वार्ड नं 5, रामअवतार बाथम वार्ड नं 2, गोरेलाल कुशवाह बरथरा, जोनी कुशवाह पुत्र अमरसिंह वार्ड नं 12, सोनू कुशवाह पुत्र मोहनलाल कुशवाह, रिंकू पुत्र अमरसिंह, सुभाष कुशवाह पहलवान, वजीर खान, जयसिंह कुशवाह, रफीक खान, सोबरन कुशवाह पर धारा 144 का उल्लंघन करने और धारा 188 के तहत कार्यवाही की गई है। हालांकि पुलिस प्रशासन 24 घंटे अपनी ड्यूटी में व्यस्त रहता है। सब्जी मंडी में भी रात 10 बजे के बाद प्रशासन पहुंच रहा है लेकिन व्यापारी पुलिस के साथ आंख

मिचोली जैसा खेल रहे हैं पुलिस फोर्स जहां तैनात होता है वहां से लोग इधर उधर भाग जाते हैं और दूसरी जगह भीड़ एकत्रित कर लेते हैं जब तक पुलिस वहां पहुंचती है तब तक दूसरी जगह जमावड़ा लगा लेते हैं पुलिस प्रशासन की समझाइश के बाद भी दुकानदार एवं सब्जी व्यापारी समझने के लिए तैयार नहीं है। प्रशासन नागरिकों से निरंतर लाऊड स्पीकर के माध्यम से अपील कर रहे हैं कि वह घरों के अंदर ही रहे तथा जिन घरों में कोविड 19 के पोस्टर लगे उन घरों से दूरी बनाए और उन घरों के लोग घर से बाहर न निकले व घर मे भी आइसुलेट रहे लेकिन नागरिक बाजारों में भीड़ लगा रहे हैं खासकर कोविड 19 के पोस्टर चस्पा वाले घरों के लोगो में जनसेवा का सुरूर चढ़ा हुआ है। अधिकांश देखा जा रहा है कुछ समाजसेवियों में पुलिस के सामने नम्बर बढ़ाने व पुलिस से सम्बन्ध प्रगांढ करने की होड़ लगी हुई है वह समाजसेवी पुलिस के सम्मान के नाम पर इकठ्ठा होकर लोक डाउन व सोसल डिस्टेंस का मजाक उड़ा रहे है व फ़ोटो खिंचाकर सोशल मीडिया पर डालकर श्रेष्ठ समाजसेवी का तमगा हासिल कर अपनी राजनीति चमका रहे है। पुलिस सुबह 4 बजे से रात 11 बजे तक निरंतर बाजारों में गलियों में भ्रमण कर रहे हैं लेकिन लोग पुलिस के साथ आंख मिचोली जैसा खेल खेल रहे हैं पुलिस देखते ही घरों के अंदर घुस जाते हैं और पुलिस निकलने के बाद तुरंत सड़कों पर आ जाते हैं यह वह धोखा वह पुलिस को नहीं दे रहे खुद को धोखा दे रहे हैं क्योंकि महामारी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है प्रशासन द्वारा कई लोगों को जो बाहर से आए हुए हैं उन्हें कौरोन्टाइन किया गया था लेकिन उसके बावजूद भी वह गांव से बाहर घूम रहे हैं जिससे यदि उनके अंदर कोई संक्रमण पाया जाता है तो वह सैकड़ों लोगों को संक्रमित कर सकते हैं इस बात से भी कोई इनकार नहीं किया जा सकता। वही शासन द्वारा शराब की सभी ठेके बंद कर दिए गए हैं लेकिन होटलों, गलियों में गांवो में ठेके की तरह लाइन लगाकर दारू बेची जा रही है जो पुलिस और प्रशासन के पहुंचते ही बंद कर दी जाती है यदि प्रशासन कार्रवाई भी करता है तो कुछ रसूखदार लोग अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपने साथियों से फोन लगवा देते हैं जिससे प्रशासन भी कार्रवाई नहीं कर पाता है। प्रशासन द्वारा खाद्य सामग्री लेने जाने वालों पर प्रशासन कार्रवाई करता है वही शराब लेने के लिए जाने वाले लोगों पर प्रशासन मौन बैठ जाता है। जिससे नगर में चर्चाएं जोरों पर हैं यह लगभग पूरी विधानसभा के अंदर ऐसा चल रहा है यहां गलियों में शराब खुलेआम बिक रही है व लोक डाउन की धज्जियां उड़ाई जा रही है।

इनका कहना है

सब्ज़ी मंडी में लोक डाउन उल्लंघन की सूचना मिली जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने लोगो को मंडी से भगाया व लोक डाउन का उल्लंघन करने वाले सब्ज़ी व्यापारियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

रामख्तियार प्रजापति एसडीएम गोहद

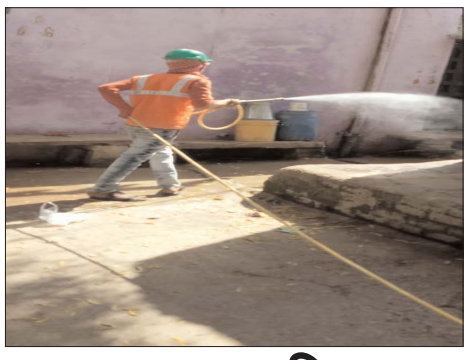

अम्बाह नगर पालिका का सफाई अभियान जोरों पर

नालियॉ की सफाई करबाकर छिड़कबाई कीटनाशक दबा, सीएमओ सुरैन्द्र के मार्गदर्शन में सफाई अभियान जारी

राधा तोमर रिपोर्टर

देश मे कोरोना की महामारी के चलते अम्बाह नगर पालिका कोई चूक नही करना चाहती है जिसके कारण अम्बाह नगर में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुरैन्द्र शर्मा के निर्देशन में मेन रोड के नाले एबम गलियों में नालियो की सफाई करबाकर कीटनाशक छिड़कबाया जारहा है तथा सम्पूर्ण सिटी मोहल्ले मे सेनीटाइजर भी करबाया जा रहा है इस महा अभियान की बागड़ोर युवा नगर पालिका सफाई दरोगा रामनरेश शर्माव रामनरेश बाल्मीक व सतीश के कंधों पर है जो बड़ी ही ईमानदारी से इस कोरोना बायरस के खतरे के बाबजूद अपनी जान जोखिम में डालने की परबाह किये बगैर नगर पालिका के सफाई अभियान में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहे है और इसी के चलते अम्बाह के नागरिक लोक डाउन का पालन करते हुए अपने घरों में चैन की सांस ले रहे है...

अम्बाह पुलिस व प्रशासन की चेताबनी के बाद पसरा सन्नाटा लोग घरो मे हुऐ कैद

केशब प्रसाद शर्मा ब्यूरो

अम्बाह सोलवे दिन प्रसासन की शक्त कढाई रही चौराहो पर बेबजये घूमने बालो को मुर्गा बनाया व उठक बैठके लगबाई तहसीलदार सर्बेश यादव ने कडे शब्दो मे कह दिया है कि जीबन के साथ खिलबाड न खेले अपने अपने घरो मे सुरक्षित रहै कुछ ही समय की बात है प्रसासन आपकी भलाई के लिये ही कर रहा है सब्जी मण्डी मे दोपहर एक बजे से तीन बजे तक ही माल ट्रॉसफॉर्ट किया जाबेगा बो भी प्रसासन के द्वारा जिनको परमीसन दीगई है बो ही उन गाडियो को माल देगे जो गाडी बार्डो को चिन्हित की गई है यही नियम किराना बाले दुकान दारो को है बो भी भीड न लगायेगे फॉर्स उपलब्ध रहैगा उन्है मण्डी मे जाने की परमीशन होगी उन्ही को सब्जी फल दिये जाबैगे अन्यथा कोई भी बीकल बाहन जैसे हाथ ठेला ई रिक्सा लोडिग बाहन व फालतू घूमता ब्यक्ति नजर आया तो कारबाही निश्चित समझे थाना प्रभारी शिबसिह यादव मय फॉर्स के माइक स्पीकर द्वारा कडी चेताबनी घरो को देरहै कि जीबन अनमोल है इसको समझे बेबजय घर से न निकले अगर जरूरती सामान की आबश्यकता है तो घर से एक ही ब्यक्ति निकले अन्यथा कड़ी कारबाही की जाबेगी...

नायब तहसीलदार ने इंदौर से आये 16 ब्यक्तियों को छात्राबास में किया आइसोलेट

मेडिकल ऑफिसर डॉ निशांत यादव ने किया था परीक्षण

दबोह(मोहित गोस्वामी)। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते दबोह नायब तहसीलदार राजेद्र मौर्य लगातार क्षेत्र में कोरोना बायरस को लेकर ग्रामीणों को जागरूक कर रहे है व दबोह के सभी चैक पोस्टो का निरीक्षण कर रहे है।जिसमे कोरोना वायरस से संक्रमण के चलते दबोह क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम अमाहा में 1 दर्जन से अधिक लोग इंदौर से आये हुये थे।जिसके चलते 16 लोगो को दबोह स्वास्थ केंद्र में परीक्षण के लिये भेजा कर उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।इस सबन्ध में नायब तहसीलदार राजेद्र मौर्य ने बताया कि मध्यप्रदेश के इंदौर में सर्वाधिक कोरोना बायरस पॉजिटिव केस पाये गए है।जिसके चलते किसी भी प्रकार की लापरवाही नही की जा सकती है इसलिये अमाहा में इंदौर व महाराष्ट्र से आए हुए व्यक्तियों को दबोह छात्रावास में आइसोलेट कर दिया गया है।उन्होंने बताया कि इन 16 लोगो की देखरेख के लिये दबोह छात्राबास अधीक्षक को उनकी जिम्मेदारी दी गई है।वहीं दबोह प्राथमिक स्वास्थ अधिकारी डॉ.निशांत यादव ने जानकारी देते हुये बताया कि इंदौर से आये ब्यक्तियो का स्वास्थ परीक्षण कर लिया गया है। वह पूरी तरह से स्वस्थ है।उन्हें कोरोना से सबंधित कोई बीमारी नही है।इस मौके पर दबोह नायब तहसीलदार राजेद्र मौर्य के साथ आरआई मुन्ना लाल जामोरिया,पटबारी राम सिंह सहित राजस्व बिभाग एबं स्वास्थ बिभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

आइसोलेट हुए लोगों को हर जरूरी सुविधा कराएंगे मुहैया

दबोह छात्रावास में 16 लोगो को आइसोलेशन में रखा गया है।जिसके चलते मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने बताया कि आइसोलेट हुए लोगो को नहर परिषद दबोह हर जरूरी सुविधा मुहैय्या कराएगी।उन्होंने बताया कि नगर परिषद दबोह की ओर से खाने पीने की हर सामग्री छात्रावास अधीक्षक को सौंप दी गई है वही उन्होंने बताया कि छात्रावास अधीक्षक के द्वारा अन्य कुछ जरूरी सामान की सूची भी प्राप्त हुई है जिसे जल्द छात्रावास भिजवाया जाएगा।उन्होंने कहा कि आइसोलेट हूऐ लोगो को किसी भी प्रकार की कोई असुबिधा नही होने देंगे।

कोरोना के खिलाफ डटे कर्मबीरों का आलमपुर में हुआ सम्मान

आलमपुर(अर्पित गुप्ता)। कस्बे के विजयमंच पर कोरोना जैसी महामारी के खिलाफ डटकर मुकाबला करने वाले चिकित्साकर्मी, पुलिसकर्मी, नपाकर्मी, विद्युतकर्मी व सफाई कर्मचारियों का सम्मान कस्बे के युवाओं द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। विजय ?मंच पर किये गये इन ? कर्मबीरों के सम्मान के अबसर पर युवा रोबिन अग्रबाल ने इन कर्मबीरों को इस महामारी के समय देवदूत बताया जो अपनी जान की परवाह किये बिना जनता की भलाई में दिनरात लगे हुये है। इसलिये जनता को भी वर्तमान संकट के समय सोशल डिस्टेंसिंग व शासन के निर्देशों का पालन भलीभांति करना चाहिये। इस अवसर पर मेडीकल आफीसर डॉ. ओ पी जाटव का सम्मान रोबिन अग्रबाल द्वारा, थाना प्रभारी सुनील सिंह कुशवाह का सम्मान अजीज पठान द्वारा, नपाकर्मी शिवशंकर जाटव का सम्मान उदयराज चौहान द्वारा, डॉ. अरविंद गुप्ता का सम्मान रानू त्रिपाठी द्वारा, नपाकर्मी सियाशरण सविता का सम्मान संजीव चौधरी द्वारा, एएसाई नरेंद्र सिंह चौहान का सम्मान जीतू कौरब, बिजलीकर्मी नरेश व मावशिया का सम्मान गौरब लहरिया द्वारा, कम्पाउण्डर चिंतामन राठौर का सम्मान अनूप शर्मा द्वारा माला पहनाकर किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मी राघव गुर्जर, अनुराग छारी, राजकुमार, सतेंद्र सुनकर, चंद्रपाल सिंह कुशवाह, सफाईकर्मी रोहित वाल्मीकि, लच्छीराम बाल्मीकि का भी माला पहनाई गयी। कस्बे के युवाओं द्वारा सामूहिक रूप से इन कर्मबीरों के ऊपर पुष्पबर्षा भी की गई।

पंचायतों द्वारा ग्रामीणों को नहीं बांटे जा रहे मास्क व सैनिटाइजर

100/200 मास्क और सेनेटाइजर बांटकर खिचाई फोटो और की गयी खाना पूर्ति

दबोह(मोहित गोस्वामी)। देश में बढ़ रही कोरोना पॉजिटिव मरीजों को देखते हुए प्रदेश में इस्मा कानून लगा दिया गया है।साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में हर पंचायत के सरपंच वे सचिवों को उनकी पंचायतों की आने वाले गांव में हर व्यक्ति को मास्क व सैनिटाइजर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही हर पंचायत को इसके लिए 30 हजार के लगभग बजट भी दिया गया है लेकिन लहार अनुबिभाग के अधिकारियों की उदासीनता व सरपंच वह सचिवों की मनमानी के चलते यह बजट भी घोटाले की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है।जिले की ज्यादातर पंचायतों में अभी तक लोगों को कोराना महामारी से बचने के लिए मास्क व सेनिटाइजर नहीं बांटे गए।वहीं कई जगह खानापूर्ति की जा रही है क्योंकि सूत्रो की माने तो दबोह क्षेत्र की सभी ग्रामपंचायतो में सिर्फ दिखावे के किये मास्क बांटे गए हैं और फ़ोटो खिंचवाकर मास्क और सेनेटाइजर का वितरण बन्द कर दिया है।पंचायत द्वारा ऐसी लापरवाही किये जाना खतरे से खाली नही है क्योंकि बाहर से मजदूरी करके अपने घरों को लौट रहे लोगों के जरिए कोरोना फैलने की आशंका है लेकिन सरपंच व सचिवों की घोटाले करने की सोच यहां भी हावी होती नजर आ रही है।सूत्र बताते है कि इस संबंध में जिलापंचायत सी.ओ भिंड,कलेक्टर भिंड,एस.डी.एम लहार एबम जनपद पंचायत सीईओ लहार आदि को इसकी जानकारी दी है फिर भी अभी तक इन पर कोई एक्शन नहीं लिया गया।अब देखना यह होगा कि प्रशासन इन पर क्या कार्यवाही करता है और इन पंचायत सचिवों के मनमाने रबैये से लोगो मे कोरोना जैसी महामारी का लगातार भय बना हुआ है।

लहार नगर पालिका का सफाई अभियान जोरों पर

फायरब्रिगेड से धुलाई करबाकर छिड़कबाई कीटनाशक दवा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेश पुरोहित के मार्गदर्शन में सफाई अभियान जारी

लहार(अर्पित गुप्ता)। देश मे कोरोना की महामारी के चलते लहार नगर पालिका कोई चूक नही करना चाहती है जिसके कारण लहार नगर में मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेश पुरोहित के निर्देशन में फायरब्रिगेड से बाजार एबम गलियों में धुलाई करबाकर कीटनाशक छिड़कबाया इस महा अभियान की बागड़ोर युवा नगर पालिका कर्मचारी राहुल जतरोलिया के कंधों पर है जो बड़ी ही ईमानदारी से इस कोरोना बायरस के खतरे के बाबजूद अपनी जान जोखिम में डालने की परबाह किये बगैर नगर पालिका के सफाई अभियान में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहे है और इसी के चलते लहार के नागरिक लोक डाउन का पालन करते हुए अपने घरों में चैन की सांस ले रहे है।

एसडीएम जयति सिंह की प्रसंशनीय कार्यवाही

एसडीएम के निर्देशन में नायब तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव ने मजदूरो को दिया खाना

सुरजीत राजावत

ग्वालियर। देश भर मे कोरोना वायरस संक्रमण के चलते महामारी मची हुई है जिसका असर गरीब,मजदूर वर्ग व किसान की जीवन पर ज्यादा पड़ा है।मामला डबरा नगर पालिका का है जहां पर नगर पालिका के सामने डबरा के कई गरीब मजदूर राशन के लिए शासन से गुहार लगा रहे थे।जैसे ही मजदूर महिलाओ की भीड़ की खबर शासन को लगी तो तत्काल डबरा की तेजतर्रार एसडीएम जयति सिंह ने नायब तहसील श्यामू श्रीवास्तव को मौके पर पहुंचने का आदेश दिया।एसडीएम के आदेश पर जब नायब तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर जब गरीब मजदूरो की बजाय सुनी तो पता चला कि वह भूखी है और शासन की ओर से मिलने वाला राशन उन्हें

मुहैय्या नहीं कराया जा रहा है।जिसके बाद नायब तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव ने तत्काल गरीब मजदूर महिलाओ को भोजन के पैकेट उपलब्ध कराए और एसडीएम जयति सिंह से बात कर जल्द से जल्द मजदूरों को सूखा राशन देने का भी आश्वासन दिया।नायब तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव के आश्वासन के बाद महिलाओ के नाम,पता आदि की सूची भी तैयार की गई ताकि उनके घर समय पर राशन भेजा जा सके।सूची तैयार होने के बाद महिलाएं अपने घर वापस पहुँची।यहां बता दें कि डबरा एसडीएम जयति सिंह की यह प्रसंशनीय कार्यवाही है इससे पहले भी जयति सिंह के द्वारा कई ऐसी कार्यवाही की गई हैं।

इनका कहना

एसडीएम जयति सिंह मैडम के आदेशानुसार मजदूर महिलाओ के बीच पहुंचकर उनकी समस्या सुनी और मैडम के आदेशनुसार उन्हें राशन देने का आश्वासन भी दिया गया है।जल्द ही गरीबो को राशन उपलब्ध कराया जाएगा।

श्यामू श्रीवास्तव
नायब तहसीलदार डबरा

आवश्यकता है
पुष्पांजली राष्ट्रीय मासिक पत्रिका/ऑनलाइन न्यूज पोर्टल
को भारत के हर राज्य, जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।
इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।
देश के सभी प्रदेशों मे, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छतीसगढ, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, उड़ीसा, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, बिहार, गुजरात, गोवा, झारखंड
कार्यालय: ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस, इन्क्लेव गुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर
संपर्क: 7999246560, 8269307478
Email-pushpanjalitoday@gmail.com. Web-www.pushpanjalitoday.com

मध्यान्ह भोजन अंतर्गत प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में खाद्यान्न वितरण शुरू

ग्वालियर। नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव के लिये राज्य शासन द्वारा प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को पका हुआ मध्यान्ह भोजन वितरण के स्थान पर खाद्यान्न वितरण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने ग्वालियर जिले के समस्त सीईओ जनपद पंचायत को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि शासन के निर्देशानुसार माह मार्च एवं अप्रैल 2020 के शैक्षणिक कार्य दिवसों में प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के प्रावधान अनुसार खाद्यान्न वितरण किया जाए। साथ ही निर्देश दिए हैं कि मार्च के 11 दिवस एवं अप्रैल के 22 दिवस कुल 33 शैक्षणिक दिवसों के लिये शाला में दर्ज, शतप्रतिशत (समग्र पोर्टल पर मैप) विद्यार्थियों को प्राथमिक शाला के प्रति छात्र को 100 ग्राम के मान से कुल 3 किलो 300 ग्राम एवं माध्यमिक विद्यालय के प्रति छात्र को 150 ग्राम के मान से कुल 4 किलो 950 ग्राम खाद्यान्न का वितरण शाला प्रभारी द्वारा शाला में कार्यरत एजेन्सी के माध्यम से सुनिश्चित करें। निर्देशानुसार शाला प्रभारी द्वारा शाला में कार्यरत एजेन्सी, एनजीओ, स्व-सहायता समूह, शाला प्रबंधन समिति के माध्यम से छात्र-छात्राओं को खाद्यान्न वितरण का कार्य भी शुरू हो गया है।

ग्राम पंचायतों मैं कोई भी व्यक्ति भूखा न रहें : कलेक्टर

मुरैना। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने बताया कि समस्त सचिव एवं सरपंच तथा रोजगार सहायक ध्यान दें, कोरोना वायरस के संक्रमण एवं लॉक डाउन की स्थिति को देखते हुए सोशलडिस्टेंस बनाए रखने हेतु तथा ग्राम पंचायतों में कोई भी व्यक्ति किसी भी समय भूखा ना रहे, इन परिस्थितियों से निपटने जिला पंचायत सीईओ तरूण भटनागर मुरैना द्वारा निर्देश दिए गए हैं इनका शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित हो। प्रत्येक ग्राम पंचायत सचिव अपनी ग्राम पंचायत में एक कमरा सुरक्षित स्थान पर किराए से ले, उस कमरे में 2 क्विंटल आटा, 2 क्विंटल चावल, 50 किलो दाल तथा नमक पर्याप्त मात्रा में तेल, हल्दी, धनिया, सूखी काली मिर्च का भंडारण रखें, जिस व्यक्ति को खाद्यान्न की आवश्यकता है उसको रजिस्टर संधारण करते हुए उपलब्ध करायें। दो ग्राम पंचायतों में महिलाओं को सेनेटरी, नैपकिन मास्क सभी को साबुन हाथ धोने हेतु बांटा जाना सुनिश्चित करें। प्रत्येक पंचायत में साफ-सफाई कराते हुए नालियों पर एवं अन्य आवश्यक जगहों पर केमिकल का छिड़काव कराएं। यह कार्य प्राथमिकता बतौर किया जाना है। प्रति दिवस सचिव एवं रोजगार सहायक पंचायत में भ्रमण करें तथा प्रतिकूल परिस्थिति होने पर स्वयं जिम्मेदार होंगे। किसी भी स्थिति में मेरे व्हाट्सएप नंबर पर मुझे फोन करें। ग्राम पंचायत बमरौली, ग्राम पंचायत रामपुर कलां, ग्राम पंचायत जलालगढ़ ग्राम पंचायत रोजगार खालसा के नवरावली ग्राम में पेयजल परिवहन आज से ही सचिव प्रारंभ कराएं। ध्यान रखें कि अत्यावश्यक जगह पर ही पेयजल परिवहन कराया जाना है। पेयजल वितरण करते समय सोशलडिस्टेंस का पालन किया जाना सुनिश्चित करें, पेयजल परिवहन का 30 अप्रैल को सुबह 11 बजे तक वह राशि के बिल वाउचर मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। जिससे मैं कलेक्टर को बिल वाउचर भुगतान हेतु प्रेषित कर सकूं।

पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा विषम परिस्थितियों में किया गया एक अनुकर्णीय कार्य

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर नवनीत भसीन जी के पास एक फोन 9907828004 आता है कि मेरी माता जी दो वर्ष से आक्सीजन सिलेण्डर पर जीवित है और उन्हे प्रत्येक 6 से 15 दिन मे आक्सीजन सिलेण्डर की आवश्यकता रहती है। इस समय मेरे पास मात्र एक दिन की आँक्सीजन शेष है। कृपया लॉकडाउन की इस स्थिति मे आक्सीजन सिलेण्डर उपलब्ध होना मुश्किल प्रतीत होता है आप मदद करे। तभी तत्काल पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रभात आनद को विनय शर्मा थाना प्रभारी थाना कम्पू ग्वालियर का मोवाइल नं. उपलब्ध कराते हुये थाना प्रभारी कम्पू को निर्देशित किया कि प्रभात आनद हर संभव मदद की जावे। और भविष्य मे भी जब भी आनद लॉक डाउन की स्थिति में अपनी माता जी के स्वास्थ के संबंध मे कोई मदद लेने आवे तो तत्काल मदद प्रदान की जावे निर्देश के पालन मे थाना प्रभारी थाना कम्पू विनय शर्मा द्वारा प्रभात आनद को आंक्सीजन सिलेण्डर लाने हेतु अनुमति प्रदान की गयी एवं जिस पर उनके द्वारा हजीरा स्थित ऐजेन्सी से ऑक्सीजन सिलेण्डर की व्यवस्था की गयी। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर इस विषम परिस्थिति में भी अपने कार्य को अंजाम देते हुये मानवीयता के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहे है।

आबकारी विभाग कर रहा है मदिरा दुकानों के बचे हुए मदिरा स्टॉक का वेरीफिकेशन

ग्वालियर। ग्वालियर में वित्तीय वर्ष 2019-20 की समाप्ति पर मदिरा दुकानों में बचे हुए मदिरा स्कंध के संबंध में राज्य शासन द्वारा दिशा-निर्देश जारी कर निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक मदिरा दुकानों के बचे हुए मदिरा स्कंध का वेरीफिकेशन कर पंचनामा बनाए जाए। जिन भी जिलों में नया लायसेंस अभी तक नहीं दिया गया है, उन जिलों के पुराने लायसेंसियों को मदिरा स्कंध सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सुपुर्दगी में दिया जाए। उक्त आदेश के पालन में जिले का आबकारी विभाग इस समय मदिरा दुकानों में बचे हुए मदिरा स्टॉक का वेरीफिकेशन कर रहा है।

सफलता की कहानी, (नोवेल कोरोना वायरस)

कोरोना रूपी महादानव से लड़ने आनंदक बने अग्रदूत

ग्वालियर। इस समय पूरा विश्व कोरोना रूपी महादानव से लड़ रहा है तथा दुनिया भर के लोग इस महा दानव को मारने के लिए एकजुटता से प्रयास कर रहे हैं। इस बीच इस महायुद्ध से पीड़ित लोगों की सहायता के लिए मध्यप्रदेश के आनंद विभाग के आनंदक अग्रदूत बनकर कोरोना महा दानव को परास्त करने में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। ग्वालियर में आनंद विभाग के 11 सौ से अधिक आनंदकों की 12 टीमों द्वारा शहर भर में कोरोना वायरस से लड़ने के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। वहीं जो जरूरतमंद हैं तथा बेसहारा है और लॉक डाउन के कारण राशन व खाने-पीने के लिए परेशान हैं उनके लिए देवदूत बनकर आनंदक खाना पहुंचा रहे हैं तथा गरीब बस्तियों में लोगों तक खाना, राशन व अन्य आवश्यक सामग्री जिला प्रशासन के सहयोग से पहुंचा रहे हैं।

आनंदकों द्वारा शहर भर में जागरूकता के लिए फेसबुक व्हाट्सएप व अन्य सोशल मीडिया के संसाधनों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है तथा जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर आनंदकों द्वारा जरूरतमंद लोगों को खाद्यान्न व राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। आनंद विभाग के सहयोगियों द्वारा कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह, अपर कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्री राजीव सिंह, श्री ए के शर्मा, श्री सुधीर त्रिपाठी, श्री दिनकर शर्मा एवं श्री पवन दीक्षित के निर्देशन में यह अभियान चलाया जा रहा है। वहीं नगर निगम द्वारा शहर को सैनिटाइज्ड करने के लिए चलाए जा रहे अभियान में सहयोगी की भूमिका निभाई जा रही है तथा महामारी के संकट के बीच लोगों में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आयुर्वेदिक महाविद्यालय व अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से नागरिकों को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही है।

मोहल्लों एवं बस्तियों में जिला प्रशासन ने जन सहयोग से बांटा 10 दिवस का राशन

ग्वालियर। जिला प्रशासन द्वारा लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंद व्यक्तियों को जन सहयोग से फोन या एसएमएस या वॉट्सएप के माध्यम से प्राप्त मांग अनुसार आवश्यक मात्रा में भोजन के पैकेट एवं राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। फूड डिस्ट्रिब्यूशन ग्वालियर के नोडल अधिकारी श्री राजीव सिंह ने बताया कि मलिन बस्ती हाईशइज गुड़ीगुड़ा का नाका एवं सिंधिया नगर मल्टी ईडब्ल्यूएस, रंगियाना मोहल्ला, रानीपुरा मोहल्ला, नादरिया माता के ऊपर घाटी कॉलोनी, सागरताल, ईडब्ल्यूएस मल्टी, आरामील, कांचमील, बाल्मीक मोहल्ला में जिला प्रशासन ने जन सहयोग से परिवारों को 10 - 10 दिवस का सूखा राशन के बैग घर - घर जाकर वितरित किए। अतः अब इन स्थानों पर एनजीओ एवं फूड वॉलेन्टियर्स आगामी 10 दिन तक पके हुए भोजन का वितरण नहीं करेंगे। प्रशासन द्वारा इस भोजन वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिये अब ग्वालियर नगरीय क्षेत्र में कुछ स्थल चिन्हित किए जा रहे हैं, जिन पर भोजन बनाने का कार्य किया जायेगा। इसके अतिरिक्त जिन संस्थाओं द्वारा शासन से भोजन वितरण की अनुमति नहीं ली गई है उन संस्थाओं को भोजन वितरण के कार्य नही करने दिया जायेगा। प्रशासन द्वारा जिन संस्थाओं को भोजन वितरण की अनुमति प्रदान की गई है केवल वही संस्थायें आगामी आदेश तक भोजन वितरण कार्य करेंगी। पंजीकृत फूड वितरण वॉलेंटियर्स किसी भी हाल में भोजन वितरण वाहन से सीधे नहीं करेंगे अर्थात सर्वप्रथम लोगों को 2-2 मीटर की दूरी पर बिठाकर भोजन पैकेट उनके बगल में रखेंगे।

Tomar Associates

ग्वालियर शहर में आसान किस्तों में बिना ब्याज के प्लॉट खरीदने का सुनहरा मौका।

TOMAR ASSOCIATES

प्लॉट खरीदने एवं निवेश के लिए सम्पर्क करें

मूलभूत सुविधाऐं

कॉलोनी के चारों और बाउण्ड्री वॉल
मैन गेट पर सी.सी.टी.वी. कैमरा व सिक्योरिटी गार्ड
लाईट, पानी, सीवर लाईन, कम्युनिटी हॉल
बच्चों के लिये गार्डन, सड़कों पर लाईट, मन्दिर,
सुन्दर विशाल पार्क, जिम, जॉगिंग ट्रेक,
वॉस्केट बॉल मैदान, स्वीमिंग पुल,
शॉपिंग कॉम्प्लैक्स व स्कूल की सुविधा।

मात्र 25 प्रतिशत प्लॉट की कीमत जमा करवाकर प्लॉट का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करवायें एवं शेष धनराशि 75% बिना ब्याज के दें।
ग्वालियर शहर में अपने सपनों का घर बनायें।

T&CP APPROVE FORM-4

बुकिंग मात्र 25,000/- से

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

Tomar Associates

TOMAR ASSOCIATES

सोलर पेनल लगवाने पर बैंक द्वारा लोन की सुविधा।

सोलर पेनल लगाये और बिजली बिल से छुटकारा पायें।
साथ ही पर्यावरण बचायें। सौर्य ऊर्जा लगवाकर
म.प्र. सरकार से सब्सीडी पायें।

Bipin Tomar (Bhidosa)
Greennub Exclusive Partner

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

किसानों को फसल कटाई के लिये कम्बाईन हार्वेस्टर उपलब्ध कराने के निर्देश

ग्वालियर। राज्य शासन ने सभी संभागायुक्तों एवं जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी किये हैं कि किसानों को फसल कटाई के लिये आपसी समन्वय स्थापित कर कम्बाईन हार्वेस्टर्स उपलब्ध कराने की व्यवस्था करें। प्रदेश के कुछ जिलों में कम्बाईन हार्वेस्टर्स की कमी से फसलों की कटाई प्रभावित हुई है। इस कारण प्रशासनिक स्तर पर यह कार्यवाही की गई है। प्रमुख सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया है कि पंजाब राज्य में पंजाबी भाषा में विज्ञापन प्रकाशित कराकर अनुरोध किया गया है कि वहां के मध्यप्रदेश में आकर काम करने के इच्छुक हार्वेस्टर मालिक शीघ्र सम्पर्क करें। मध्यप्रदेश शासन द्वारा उन्हें आसानी से परिवहन पास उपलब्ध्य कराये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा के लिये मंडी बोर्ड के अधीन कॉल सेन्टर (0755-2550495) स्थापित किया गया है। इस सेन्टर पर किसान अपनी मांग दर्ज करा रहे हैं और उनकी मांग की जानकारी प्रशासन द्वारा संबंधित जिलों के अधिकारियों को तुरंत भेजी जा रही है। इसी के साथ, जिला कलेक्टरों से कहा गया है कि वे लॉक डाउन की अवधि में कम्बाईन हार्वेस्टर्स के मूव्हमेंट को शिथिल रखें, जिससे हार्वेस्टर एक जिले से दूसरे जिले में तथा अन्य प्रदेशों से प्रदेश में आ-जा सकें। प्रमुख सचिव द्वारा कलेक्टरों से प्रदेश में कार्यरत हार्वेस्टर्स की तुरंत मरम्मत के लिये संबंधित वर्कशाप तथा स्पेयर पार्टस की दुकानों को भी लॉक डाउन से मुक्त रखने के लिये कहा गया है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अभी तक गेहूँ की 70 प्रतिशत और चने की 96 प्रतिशत कटाई हो चुकी है। आगामी 15 से 20 अप्रैल तक अधिकांश क्षेत्रों में कटाई का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। इस वर्ष असामयिक वर्षा के कारण भोपाल-नर्मदापुरम् से लेकर जबलपुर संभाग तक की फसलें एक साथ पक कर तैयार हुई हैं। प्रदेश में गेहूँ की फसल की कटाई मुख्य रूप से कम्बाईन हार्वेस्टर्स द्वारा ही की जाती है। हार्वेस्टर्स का मूव्हमेंट मालवा, निमाड़ अंचल से शुरू होकर भोपाल, नर्मदापुरम् संभाग होते हुए जबलपुर संभाग की ओर रहता है। प्रदेश में लगभग 50 प्रतिशत हार्वेस्टर्स पंजाब प्रांत से आकर काम करते हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण इस वर्ष हार्वेस्टर्स की उपलब्धता में कमी आई है। भोपाल, सागर और नर्मदापुरम् संभाग में फसलों की कटाई अंतिम चरण में है। इस अंचल में लगभग 1000-1200 हार्वेस्टर्स काम कर रहे हैं, जो आगामी 4-5 दिनों में कटाई कार्य से मुक्त हो जाएंगे। जबलपुर संभाग के अन्तर्गत जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी और छिन्दवाड़ा जिलों में हार्वेस्टर्स की कमी को अगले सप्ताह पूरा कर लिया जायेगा। श्योपुर जिले में कुछ हार्वेस्टर्स की कमी है, जिसकी पूर्ति गुना और शिवपुरी जिले में 3-4 दिन में खाली हो रहे हार्वेस्टर्स से पूरी की जाएगी।

विद्युत उपभोक्ताओं को रजिस्टर्ड व्हाट्सअप पर मिलेगा बिल

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं के लिए उनके रजिस्टर्ड व्हाट्सअप नंबर पर बिजली बिल प्रदान करने की सुविधा शुरू कर दी गयी है। कोविड-19 संक्रमण के मद्देनज़र उपभोक्ताओं को ज़्यादा से ज़्यादा ऑनलाइन तकनीक द्वारा बिल प्रदान किया जाने का निर्णय लिया गया है। उपभोक्ताओं को उनके रजिस्टर्ड नंबर पर हर माह बिजली का बिल उपलब्ध कराया जायेगा, इससे उपभोक्ताओं को बिल मिलने में विलम्ब की समस्या दूर होगी। कंपनी द्वारा शिकायत पंजीकरण, शिकायत की स्थिति जानने, बिल देखने, बिल भुगतान की पावती एवं अन्य आवेदनों की स्थिति जानने के लिये मानवरहित चैटबॉट प्रणाली लागू की गयी है। इस प्रणाली का बिजली उपभोक्ता अपने व्हाट्सअप पर उपयोग कर सकते हैं। चैटबॉट को उपयोग करने के लिये उपभोक्ता को कंपनी के अधिकृत नंबर 075525-51222 को अपने मोबाइल में सेव करना होगा। उपभोक्ता अपने व्हाट्सअप पर इस नंबर पर चैट से इन सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं। उपभोक्ता को चैट प्रारम्भ करने के लिये कोई भी मैसेज टाइप करना होगा, जिसके बाद चैटबॉट प्रारम्भ हो जायेगा।

बिलों का करें ऑनलाइन भुगतान

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कोराना वायरस के फैलाव को रोकने के लिये बिजली बिल भुगतान केंद्रों को लाक डाउन अवधि तक बंद कर दिया गया है। उपभोक्ताओं से कहा गया है कि समय पर बिजली बिलों का भुगतान पेटीएम, एमपी ऑनलाइन, फोनपे, गूगलपे, अमेजॉनपे, एच डी एफ सी इत्यादि ऑनलाइन तरीके पर करें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478